लेखनीय

वन महोत्सव जैसे प्रसंग की कल्पना करते समय विशेष उद्धरणों, वाक्यों का प्रयोग करके आठ से दस वाक्य लिखो।

उत्तर :

वन महोत्सव हमारे जीवन और पर्यावरण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह उत्सव हमें वृक्षों के महत्व का बोध कराता है। कहा गया है - **"वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ।"** पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं, क्योंकि वे हमें ऑक्सीजन, भोजन, वर्षा और शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। वन महोत्सव के अवसर पर विद्यालयों, गाँवों और शहरों में पौधारोपण किया जाता है। बच्चे, शिक्षक और नागरिक मिलकर हरियाली फैलाने का संकल्प लेते हैं।

जैसा कि कहा गया है - **"हरा-भरा वातावरण, जीवन का सच्चा आभूषण।"** पेड़ न केवल धरती को सुंदर बनाते हैं, बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखते हैं। यदि हम प्रकृति का सम्मान करेंगे, तो प्रकृति भी हमें जीवन का वरदान देगी। वन महोत्सव हमें यह संदेश देता है कि - **"एक पेड़ लगाना सौ पुण्य कमाने के समान है।"** इसलिए हमें हर वर्ष पेड़ लगाकर इस पर्व को मनाना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

संभाषणीय

'जय जवान, जय किसान' नारे पर अपने विचार कक्षा में प्रस्तुत करो।

उत्तर :

'जय जवान, जय किसान' यह नारा हमारे देश के दो महान स्तंभों – जवान और किसान – को समर्पित है। यह नारा हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने दिया था। जवान देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, तो किसान देशवासियों के लिए अन्न उपजाते हैं। दोनों ही हमारे देश की प्रगति और सुरक्षा के आधार हैं। यदि जवान न हों तो देश सुरक्षित नहीं रहेगा, और यदि किसान न हों तो हम भूखे रह जाएँगे। इसलिए कहा गया है — "जवान देश की ढाल है और किसान उसकी जान।" हमें इन दोनों का सम्मान करना चाहिए। इस नारे से हमें परिश्रम, त्याग और देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। वास्तव में, 'जय जवान, जय किसान' हमारा राष्ट्रीय गर्व और एकता का प्रतीक है।

श्रवणीय

रेडियो/दूरदर्शन पर जैविक खेती के बारे में जानकारी सुनो और सुनाओ।

उत्तर :

मैंने रेडियो पर जैविक खेती के बारे में एक बहुत ही उपयोगी जानकारी सुनी। बताया गया कि जैविक खेती में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाता। इसके स्थान पर गोबर की खाद, कंपोस्ट, हरी खाद और जैविक कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। इस खेती से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। किसान भाई प्राकृतिक तरीके से फसल उगाकर स्वास्थ्यवर्धक अन्न प्राप्त कर सकते हैं। दूरदर्शन पर भी बताया गया कि जैविक खेती से फसलों की गुणवत्ता अच्छी होती है और उनकी बाजार में अच्छी कीमत मिलती है। इससे किसान की आय बढ़ती है और लोगों को शुद्ध, सुरक्षित भोजन मिलता है। सचमुच, जैविक खेती हमारे **स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए वरदान है।**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-

१) प्रवाह तालिका पूर्ण करो :

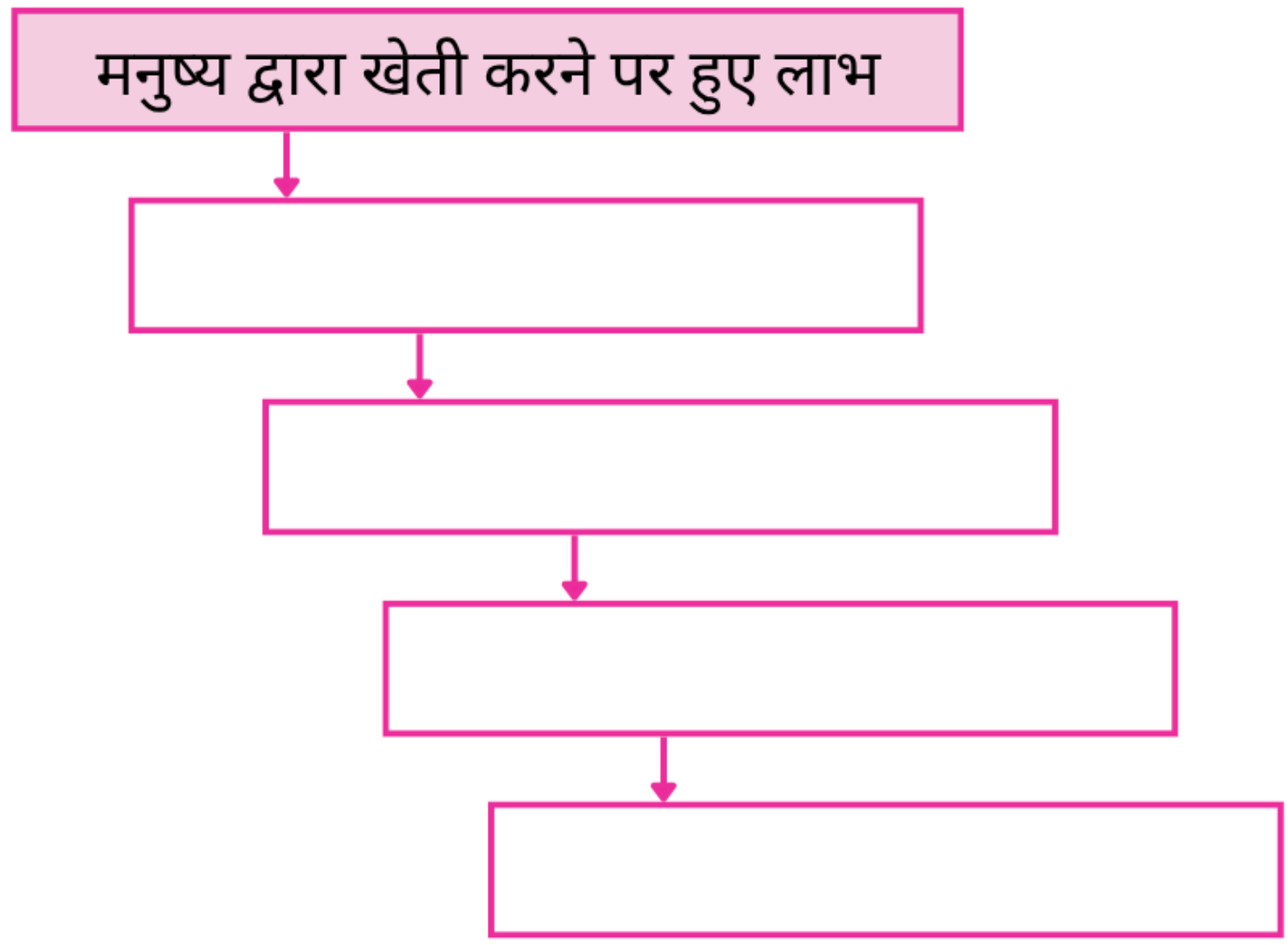

उत्तर :

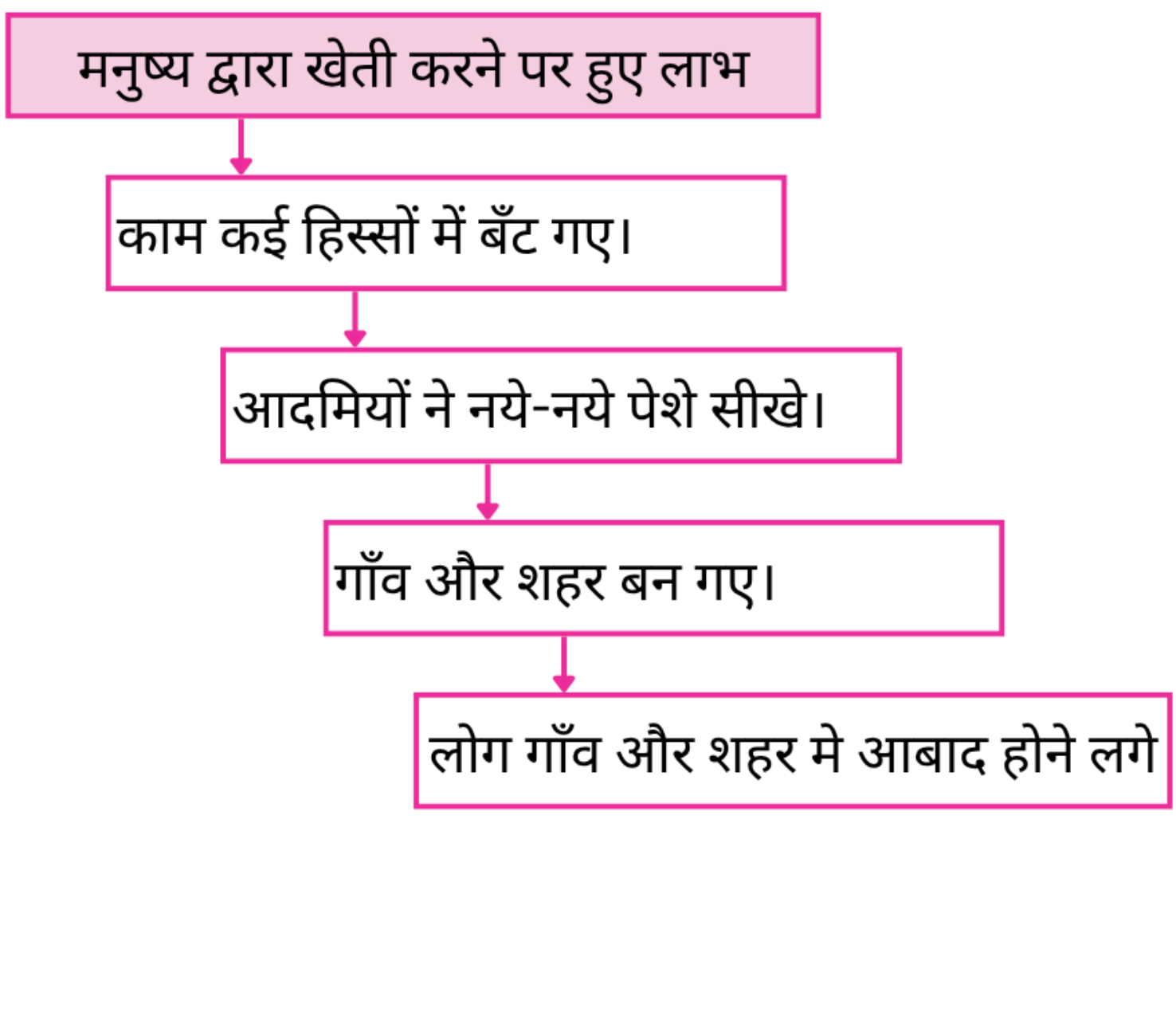

२) कारण लिखो :

अ. अनाज सुरक्षित रखना प्रारंभ हुआ --------

उत्तर :

अनाज सुरक्षित रखना प्रारंभ हुआ, **क्योंकि खेती में इतना अनाज पैदा होता था, जितना वे एकदम खा नहीं सकते थे।**

ब. मनुष्य को रोज शिकार खेलना पड़ता -------

उत्तर :

मनुष्य को रोज शिकार खेलना पड़ता, **क्योंकि मुश्किल से खाने भर को मिल पाता था।**

क. दुनिया में गरीब आदमी हैं ---------

उत्तर :

दुनिया में गरीब आदमी हैं, **क्योंकि दुनिया में बुरा इंतजाम है।**

ड. लोग बैंक में रुपये रखते ---------

उत्तर :

लोग बैंक में रुपये रखते, **क्योंकि उसके पास बहुत-सा अतिरिक्त रुपया है।**

३) उचित जानकारी लिखो :

१. काम का विभाजन इनमें हुआ

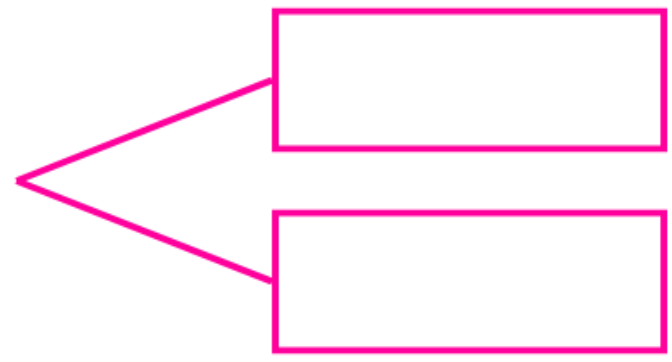

उत्तर :

१. काम का विभाजन इनमें हुआ

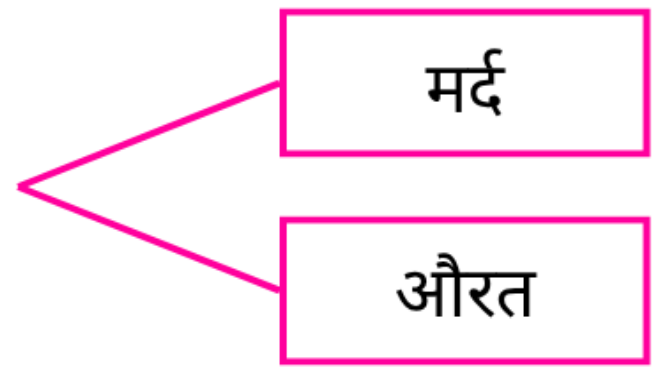

४) कृति पूर्ण करो :

उस जमाने में उसे अमीर कहा जाता था जिसके पास.... थे

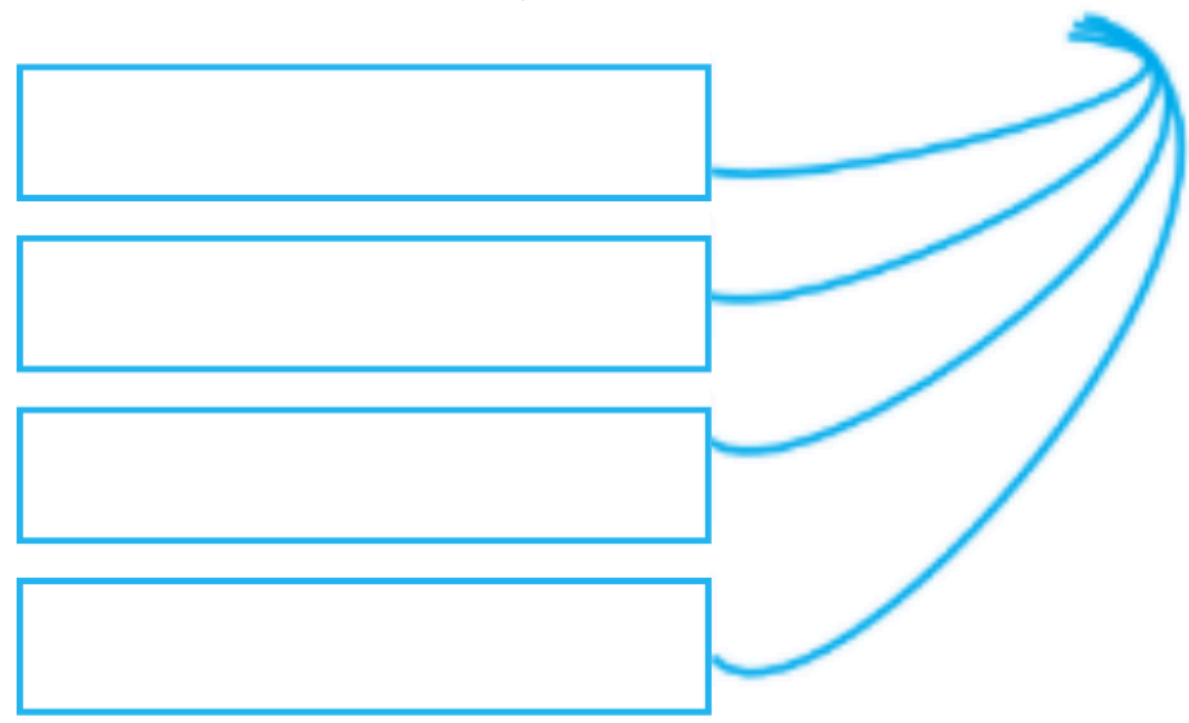

उत्तर :

उस जमाने में उसे अमीर कहा जाता था जिसके पास.... थे

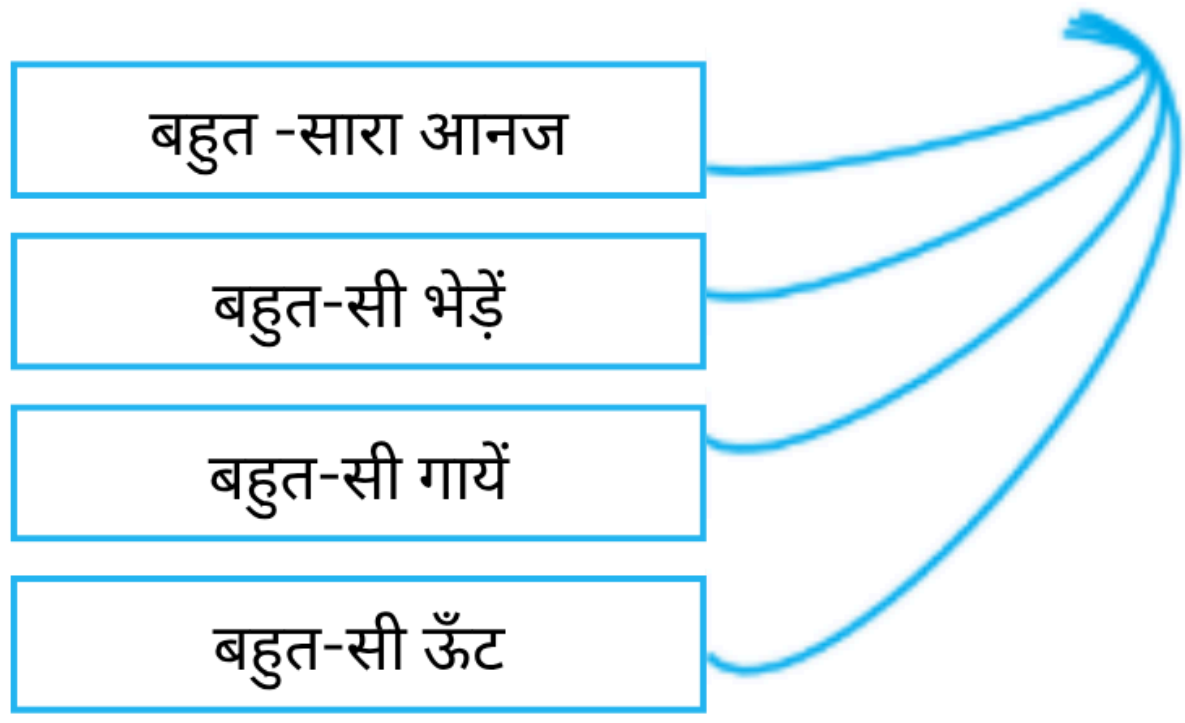

मौलिक सृजन

कृषि क्षेत्र में किए गए नये-नये प्रयोगों से होने वाले लाभ लिखो।

उत्तर :

कृषि क्षेत्र में किए गए नये-नये प्रयोगों से किसानों और देश दोनों को अनेक लाभ हुए हैं। पहले खेती पारंपरिक तरीकों से की जाती थी, जिससे उत्पादन सीमित था। लेकिन अब वैज्ञानिक तकनीकों और आधुनिक उपकरणों के उपयोग से खेती अधिक लाभदायक बन गई है। नई बीज किस्मों, उर्वरकों और सिंचाई की आधुनिक पद्धतियों से फसल की उपज बढ़ी है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य मशीनों के उपयोग से समय और श्रम की बचत होती है। जैविक कीटनाशकों से फसलें कीटों से सुरक्षित रहती हैं और मृदा परीक्षण से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है। इन प्रयोगों से किसानों की आय बढ़ी है और उनका जीवन स्तर भी ऊँचा हुआ है। इस प्रकार, कृषि क्षेत्र में हो रहे नये प्रयोग हमारे देश की प्रगति और समृद्धि के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

भाषा बिंदु

१) शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखो :

क. जानवरों को चराने की जगह = ---------

उत्तर :

चरागाह

ख. जिनके पास बहुत से अतिरिक्त रुपये हैं = ----------

उत्तर :

मालदार

२) वाक्य शुद्ध करके लिखो :

क. बड़े दुखी लग रहे हो क्या हुआ

उत्तर :

बड़े दुखी लग रहे हो। क्या हुआ ?

ख. अरे रामू के बापू घोड़े बेचकर सो रहे हो

उत्तर :

अरे, रामू के बापू, घोड़े बेचकर सो रहे हो।

ग. तुम्हारे दाने कहा है

उत्तर :

तुम्हारे दाने कहाँ है ?

उपयोजित लेखन

'तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम' विषय पर लगभग सौ शब्दों में निबंध लिखो।

उत्तर :

तंबाकू सेवन आज हमारे समाज की एक गंभीर समस्या बन गई है। बहुत से लोग तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा या पान मसाला के रूप में इसका सेवन करते हैं। शुरुआत में यह आदत छोटी लगती है, परंतु धीरे-धीरे यह लत बन जाती है और व्यक्ति के जीवन को बर्बाद कर देती है। तंबाकू में निकोटिन नामक जहरीला पदार्थ होता है, जो शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक है। इसके लगातार सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुँह और गले के छाले, दाँतों की सड़न, सांस की बीमारियाँ और हृदय रोग हो जाते हैं।

तंबाकू सेवन करने वाले व्यक्ति की कार्यक्षमता कम हो जाती है और उसका स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ता है। यह न केवल उसके लिए बल्कि परिवार और समाज के लिए भी नुकसानदायक है। तंबाकू पर खर्च किया गया धन व्यर्थ जाता है और जीवन संकट में पड़ जाता है।

इस बुरी आदत से बचने के लिए हमें दृढ़ संकल्प लेना चाहिए और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के बारे में बताना चाहिए। सरकार द्वारा चलाए जा रहे **“तंबाकू निषेध”** अभियानों में सभी को भाग लेना चाहिए। याद रखिए - **तंबाकू छोड़ो, जीवन संवारो,** क्योंकि **स्वस्थ जीवन ही सच्चा सुख है।**

स्वयं अध्ययन

पारंपरिक तथा आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी का तुलनात्मक चार्ट बनाओ।

उत्तर :

क्र	विषय	पारंपरिक कृषि प्रौद्योगिकी	आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी
1	खेती का तरीका	हाथ के औजारों और बैलों की मदद से खेती की जाती थी।	ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, ड्रोन जैसी मशीनों से खेती की जाती है।
2	उत्पादन	उत्पादन कम होता था।	उत्पादन अधिक होता है।
3	बीज का उपयोग	साधारण बीजों का प्रयोग किया जाता था।	उच्च गुणवत्ता वाले और संकर (हाइब्रिड) बीजों का उपयोग होता है।
4	सिंचाई की पद्धति	वर्षा पर निर्भरता अधिक थी।	टपक सिंचाई, स्प्रिंकलर जैसी तकनीकें उपयोग में लाई जाती हैं।
5	खाद व कीटनाशक	गोबर की खाद व प्राकृतिक उपायों का प्रयोग होता था।	रासायनिक खाद व उन्नत कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है।
6	समय व श्रम	अधिक समय और मेहनत लगती थी।	कम समय में अधिक कार्य होता है।
7	लाभ	लाभ सीमित था।	अधिक उत्पादन से लाभ भी अधिक मिलता है।
8	पर्यावरण पर प्रभाव	पर्यावरण को कम हानि पहुँचती थी।	रासायनिक पदार्थों से पर्यावरण को कुछ हानि होती है।